ज्योत माँ की | By Aamir Shola |

अगर ज्योत माँ की जगाई ना होती
तो तक़दीर भी जगमगाई ना होती।
मेरी माता दुनिया में आई ना होती
तो तक़दीर भी जगमगाई ना होती।

मेरी रानी माँ का है जग में उजाला
सारे जहान को एक माँ ने संभाला।
अगर दर से लौ गर लगाई ना होती
तो तक़दीर भी जगमगाई ना होती।

मुझे दर का माँगता बना लीजिएगा
चरणों से अपने माँ लगा लीजिएगा।
अगर माँ से बेटों की लड़ाई ना होती
तो तक़दीर भी जगमगाई ना होती।

सदा मैं तेरे गुण माँ गाता रहूँगा
हर साल दर पे तेरे आता रहूँगा।
मुझे देख माँ मुस्कुराई ना होती
तो तक़दीर भी जगमगाई ना होती।

अमीर और गरीबों की ग़मख़्वार हो माँ
हक़ीक़त में तुम सच्ची सरकार हो माँ।
अगर दर पे धूनी रमाई ना होती
तो तक़दीर भी जगमगाई ना होती।

अगर ज्योत माँ की जगाई ना होती
तो तक़दीर भी जगमगाई ना होती।
मेरी माता दुनिया में आई ना होती
तो तक़दीर भी जगमगाई ना होती।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%a4-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%95%e0%a5%80-by-aamir-shola/